राष्ट्रीय सेवा योजना

कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय

भिलाई नगर (छ.ग.)

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)
पंजीयन की जानकारी

क्रमांक	सत्र	कार्यक्रम अधिकारी	इकाई	वर्ग				कुल
				सामान्य G	अपिव OBC	अजा SC	अजजा ST	
1.	2012-13	डॉ. विनय शर्मा	पुरूष इकाई	33	58	03	08	102
		श्री भरत सिवारे	पुरूष इकाई	20	59	11	12	102
		डॉ फिरोजा जाफर	महिला इकाई	35	54	17	14	120
2.	2013-14	डॉ. विनय शर्मा	पुरूष इकाई	42	51	08	19	120
		श्री भरत सिवारे	पुरूष इकाई	37	46	09	14	106
		डॉ फिरोजा जाफर	महिला इकाई	70	44	08	18	140
3.	2014-15	डॉ. विनय शर्मा	पुरूष इकाई	23	80	08	09	120
		डॉ फिरोजा जाफर	महिला इकाई	28	62	10	10	110
4.	2015-16	डॉ. विनय शर्मा	पुरूष इकाई	23	70	18	09	119
		डॉ फिरोजा जाफर	महिला इकाई	38	60	15	10	123
5.	2016-17	डॉ. विनय शर्मा	पुरूष इकाई	20	79	19	10	128
		स्वाती तिवारी	महिला इकाई	14	66	18	14	112

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)

वृक्षारोपण की जानकारी

क्रमांक	सत्र	स्थान	पौधों की संख्या	स्वयंसेवकों की संख्या
1.	2012-13	कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय	100	107
2.	2013-14	कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय	300	100
3.	2014-15	कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय	160	102
4.	2015-16	स्नेह संपदा विद्यालय	150	100
5.	2016-17	ग्राम कोड़िया	300	105

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)

रक्तदान संबंधी जानकारी

क्रमांक	सत्र	छात्रों का संख्या
1.	2012-13	32
2.	2013-14	47
3.	2014-15	23
4.	2015-16	37
5.	2016-17	56

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)

बी प्रमाण पत्र संबंधी जानकारी

क्रमांक	सत्र	छात्रों का संख्या
1.	2012-13	19
2.	2013-14	24
3.	2014-15	16
4.	2015-16	16
5.	2016-17	27

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)

सी प्रमाण पत्र संबंधी जानकारी

क्रमांक	सत्र	छात्रों का संख्या
1.	2012-13	01
2.	2013-14	**Nil**
3.	2014-15	**Nil**
4.	2015-16	01
5.	2016-17	11

महिला सम्मान

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)
आपका हार्दिक स्वागत करता है...

एड्स जागरूकता कार्यक्रम
रैड रिबन क्लब अभियान
प्रशिक्षक प्रशिक्षण
छ.ग. राज्य एड्स
एवं
राष्ट्रीय सेवा योजना,

एड्स जागरूकता कार्यक्रम
रैड रिबन क्लब अभियान
यूथ अफेयर युनिट
छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति
कालीबाड़ी रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-4081069
कल्याण महाविद्यालय, भिलाई

बाल विवाह निरोधक रैली

2014/01/06

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)
आपका हार्दिक स्वागत करता है...
दुर्ग विश्व विद्यालय, दुर्ग
राष्ट्रीय सेवा योजना
" राष्ट्रीय एकता सप्ताह "
एकता दौड़
दिनांक 27.10.2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भिलाई नगर (छ.ग.)
आपका हार्दिक स्वागत करता है...

छत्तीसगढ़ में एनएसएस के बढ़ते कदम

NSS-Surging ahead in Chhattisgarh

20 वाँ
राष्ट्रीय युवा उत्सव
2016

संगी

'कौशल विकास एवं सौहार्द के लिए भारतीय युवा'

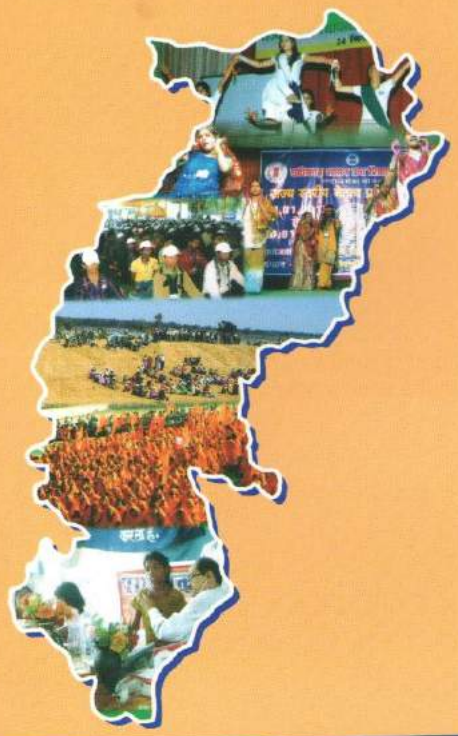

राष्ट्रीय सेवा योजना

उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

देश का प्रथम सुलह केन्द्र का प्रारंभ व संचालन
Establishment of the First Reconcilation Centre

दुर्ग जिले में घुघसीडीह गांव में कल्याण महाविद्यालय, भिलाई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विशेष शिविर के दौरान देश का प्रथम सुलह केन्द्र स्थापित किया गया जिसमें आस पास की ग्रामीण पंचायतों के गैर अपराधिक विवादों को आपस में सुलझाया जाता है तथा न्यायालय जाने की आवश्यकता नही पड़ती है। यह सुलह केन्द्र बिलासपुर के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री कुद्दूसी जी के द्वारा प्रारंभ किया गया था। इस सुलह केन्द्र में आसपास के 10 गांवों के कुल 206 मामले पंजीकृत हुये है तथा इनमें से 172 विवाद का निपटारा किया जा चुका है। वर्तमान में उच्च न्यायालय के माननीय न्यायधीशों द्वारा इसका भ्रमण किया गया तथा इसकी प्रशंसा की गयी है। इसका संचालन पूर्णतया गांव के लोगों द्वारा ही किया जाता है। इसे अन्य किसी प्रकार की शासकीय सहायता प्राप्त नही हुयी है तथा जनसहयोग से ही संचालित है।

The NSS unit of Kalyan Mahavidyalaya, Bhilai was the first unit to have established a Reconcilation Centre in Village - Ghughsidih of Dist. - Durg in the country which strives to resolve the dispute of non-criminal nature of nearby Village Panchayats. The Reconcilation Centre was inaugurated by Justice Qudusi. About 206 cases were registered from nearby 10 villages out of which 172 cases were settled. Honb'le Justice of High Court Bilaspur lauded the efforts made during their visits. The operation of the centre is being done wholly by the residents of nearby villages with the help of public support only and without any government aid.

को मान्य होता है । वर्तमान में सुलय केन्द्र में 243 प्रकरण पंजीकृत है एवं उनमे से 170 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है शेष 73 प्रकरण लंबित है ।वर्ष 2014 में ग्राम मचांदूर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में गांव के आपसी विवादों का मध्यस्थता एवं सुलह के माध्यम से निराकरण करते हुए हिन्दु-मुस्लिम समुदायों के मध्य सामुदायिक भवन की भूमि संबंधी विवाद का भी निराकरण किया गया ।

गत वर्ष 08 दिसंबर से 14 दिसंबर 2015 तक ग्राम घुघसीडीह में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया । दिनांक 13 दिसंबर 2015 को आयोजित विवादमुक्त ग्राम योजना एवं विधिक साक्षरता कार्यक्रम में माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर कार्यपालक अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्यायाधीश छ.ग. न्यायालय माननीय श्री नीलम चंद सांखला जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग, श्री रजनीश श्रीवास्तव सदस्य सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ.समरेन्द्र सिंह राज्य संपर्क अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना छ.ग. शासन एवं समस्त न्यायाधीश जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग उपस्थित हुए । माननीय न्यायमूर्ति श्री प्रीतिंकर दिवाकर ने सुलह केन्द्र का निरीक्षण किया एवं उन्होनें रासेयो के निदेंशन में सुलह केन्द्र द्वारा किये गये कार्यों की सराहना करते हुए जिला प्रशासन दुर्ग को सुलह केन्द्र हेतु भवन उपलब्ध कराने निदेंशित किया ।

इस वर्ष 8 दिसंबर से 14 दिसंबर 2016 तक ग्राम- पंदर विकासखण्ड पाटन जिला दुर्ग में सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया ।9 दिसंबर 2016 को जिला सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रो.दिग्विजय सिंह का शिविर में आगमन हुआ । विधिक साक्षरता शिविर में ग्रामीणों एवं शिविरार्थियों को उन्होनें ' लीगल एड ' की जानकारी दी एवं रासेयो द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की । सुलह केन्द्र को उन्होनें "मील का पत्थर" बताते हुए इसे देश के लिए अभिनव कदम करार दिया । इस अवसर पर थाना प्रभारी पाटन ने थाने में ग्राम- पंदर के दर्ज आपराधिक प्रकरणों की जानकारी दी । संबंधित दोनों पक्षों के शिविर स्थल में बुलाकर आपसी सुलह के द्वारा प्रकरण के निपटारे हेतु प्रयास किएगए ।

सुलह केन्द्र

डॉ. विनय शर्मा
कार्यक्रम अधिकारी
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर द्वारा प्रथम सुलह केन्द्र की स्थापना ग्राम घुघसीडीह में की गयी । राष्ट्रीय सेवा योजना कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर द्वारा विगत कई वर्षों से विशेष शिविर के दौरान विवादमुक्त ग्राम योजना एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन विभिन्न ग्रामों में किया जाता रहा है । गावों के आपसी झगड़ों व विवादों का निपटारा मध्यस्थता एवं सुलह के द्वारा किया जाता है । राष्ट्रीय सेवा योजना की मान्यता है कि संवादहीनता ही विवाद का कारण होती है । न्यायालय में जाने से एक पक्ष की जीत होती है तो दूसरे पक्ष की हार होती है लेकिन आपसी सुलह से संबंधित दोनों ही पक्षों की जीत होती है । ग्राम घुघसीडीह में ग्रामवासियों के मध्य विवाद इतना था कि वे न तो आपस में बातचीत करते थे और न ही एक दूसरे की गलियों में जाना पसंद करते थे । आए दिन लड़ाई झगड़े व न्यायालयीन प्रक्रिया में उलझे रहते थे परिणाम स्वरूप गांव का विकास अवरूद्ध हो चला था । किसी भी अच्छे कार्य में विवाद होना आम बात हो गयी थी । ग्रामवासी इन विवादों से तंग आ चुके थे साथ ही न्यायालयीन प्रक्रिया में समय के साथ-साथ आर्थिक क्षति भी हो रही थी अतः विशेष शिविर के दौरान दोनों पक्षों को बुलाकर आपस में वार्ता कर दोनों पक्षों को समझाईश देकर सुलह हेतु प्रेरित किया । माननीय जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग के माननीय न्यायाधीशों की उपस्थिति में 28 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं ग्राम घुघसीडीह को विवादमुक्त ग्राम घोषित किया गया । इसी कड़ी में अगले वर्ष पुनः ग्राम घुघसीडीह में विशेष शिविर का आयोजन किया गया एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सहयोग से देश के प्रथम सुलह केन्द्र का शुभारंभ माननीय न्यायमूर्ति छ.ग. उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के करकमलों द्वारा दिनांक 10 दिसंबर 2011 को संपन्न हुआ । आसपास के 11 ग्राम पंचायतों- घुघसीडीह, खोपली, मचांदूर, कातरो, धौराभाठा, रिसामा, बोरीगारका, मतवारी, चिरपोटी, तमोरा, सिर्री आदि के सरपंचों ने शपथ ली कि वे अपने ग्राम पंचायतों के अंतर्गत जितने भी विवाद हैं उनका निराकरण थानों एवं न्यायालयों में न जाकर सुलह केन्द्र के माध्यम से करेंगे । माननीय न्यायामूर्ति द्वारा इन 11 ग्राम पंचायतों के निर्विवाद एवं सम्माननीय बुजुर्गों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सुलह केन्द्र के कुशल संचालन की महती जिम्मेदारी सौंपी गई । प्रत्येक रविवार को प्रातः 10 बजे सुलह केन्द्र घुघसीडीह में बैठक होती है । उक्त बैठक में जो भी प्रकरण आते हैं उनका निराकरण सुलह केन्द्र द्वारा किया जाता है । निर्णय सभी पक्षों

नई दुनिया 11 दिसंबर 2011

www.naidunia.com

ग्राम घुघसीडीह में सुलह केन्द्र का शुभारंभ करते न्यायमूर्ति कुद्दुसी व अन्य।

जिंदगी कैसे जीना यह स्वयं पर निर्भर : कुद्दुसी

■ देश के प्रथम सुलह केन्द्र का उदघाटन

उतई। ग्राम घुघसीडीह में देश के प्रथम सुलह केन्द्र का शुभारंभ न्यायमूर्ति डॉ आईएम कुद्दुसी उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार पण्डा ने की। विशेष अतिथि कलेक्टर श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले कलेक्टर दुर्ग, राजीव पाण्डे अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग, आरपी मिश्रा अध्यक्ष प्रशासनिक समिति कल्याण कालेज भिलाई एवं प्राचार्य जेके तिवारी कल्याण कालेज भिलाई थे। अपने उद् बोधन में न्यायमूर्ति कुद्दुसी ने सुलह केन्द्र के बारे में कहा कि आप अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहेंगे यह आप पर निर्भर करता है तनाव रहित जिन्दगी, जीने के लिए आपसी समन्वय जरूरी है। जिसके लिए वह सुलह केन्द्र की स्थापना अपने आप में एक सराहनीय कदम है। सुलह हो जाने से हार और जीत की भावना खत्म हो जाएगी तथा इसमें समय और धन दोनों की बचत होगी। कलेक्टर श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि इससे लोगों का कानूनी एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर विश्वास बढ़ेगा। विकास के क्षेत्र में यह सुलह केन्द्र मील का पत्थर साबित होगा। सुलह केन्द्र के संयोजक प्रहलाद चन्द्राकर ने बताया कि इस सुलह केन्द्र घुघसीडीह, खोपली, मतवारी, मचांदुर, धनोरा, सिर्री, रिसामा, बोरीगारका सहित अन्य गांव को शामिल कर सभी सरपंचों को आपसी सुलह से इसका शुभारंभ घुघसीडीह में किया गया। कार्यक्रम में गोपाल ठाकुर, सरपंच घुघसीडीह, डिलन देशलहरा सरपंच कातरो, खोरबाहरा सरपंच खोपली, चन्द्रिका साहू सरपंच रिसामा, घनश्याम गजपाल, सरपंच बोरीगारका महेश्वरी चन्द्राकर सरपंच चिरपोटी उपस्थित थे।अंत में सुलह करवाने वाले प्रहलाद चंद्राकर, नारायण, दुर्गा सिंह बैस, चिन्तामणी, खुमान सिंह साहू, अशोक गजपाल झाड़ू राम वर्मा का सम्मान किया गया।

भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह

दैनिक भास्कर

dainikbhaskar.com भिलाई-रायपुर बुधवार, 4 सितंबर, 2013 अभिव्यक्ति : पेज-8

10 गांवों की अपनी अदालत, जहां 12 जज सुलझाते हैं मामले

विवाद नहीं पहुंचते कोर्ट : एनएसएस और ग्रामीणों के सहयोग से शुरू हुआ सुलह केंद्र, 20 माह में सुलझाए जा चुके हैं सवा सौ से ज्यादा प्रकरण

ये हैं 12 जज

जुर्म के रजिस्टर खाली

कार्यक्रम

घुघसीडीह में कल्याण कॉलेज के एनएसएस लगाया शिविर, न्यायाधीशों ने कानून के बारे में दी जानकारी

आपसी सुलह से निपटाए गए 154 प्रकरण

लोगों को जानकारी देने अच्छे वालंटियर की जरूरत

ग्रामीणों को दी कानून की जानकारी

कानून की तरफ से मिलती है मदद

सुलह केन्द्र के लिए मांगा भवन

दैनिक भास्कर 14 दिसंबर 2015

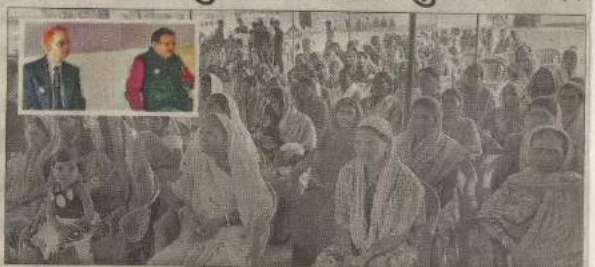

नई दुनिया 14 दिसंबर 2015

'स्वच्छ भारत के लिए युवा' शिविर में पहुंचे हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा,

मिसाल बन सकता है घुघसीडीह का सुलह केन्द्र

सुलह केन्द्र को कानूनी मान्यता देने की मांग